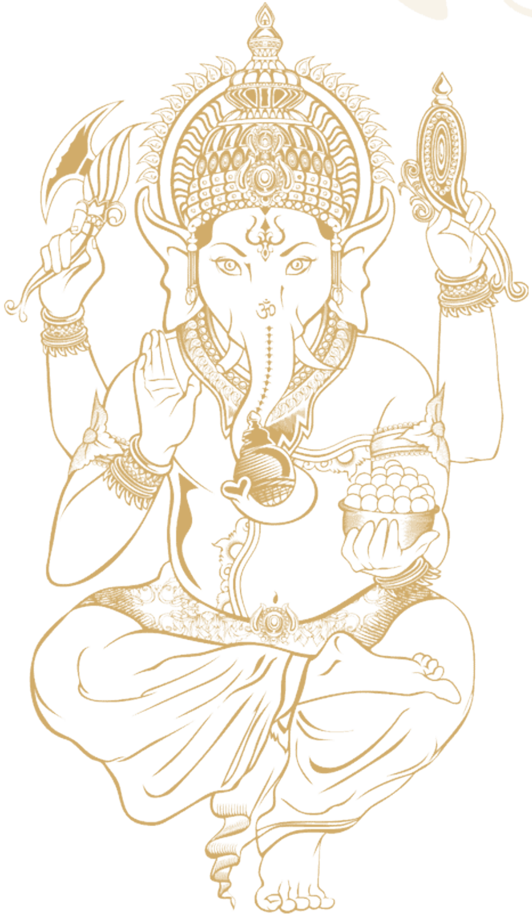

Mr.ANUPAM

15 Oct 1994

10:30 PM

Kannauj

Model: web-freekundliweb

Order No: 119584902

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **15/10/1994**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	: **22:30:00 घंटे**
इष्ट	: 40:50:11 घटी
स्थान	: **Kannauj**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 27:04:00 उत्तर
रेखांश	: 79:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:10:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 22:19:40 घंटे
वेलान्तर	: 00:14:08 घंटे
साम्पातिक काल	: 23:55:38 घंटे
सूर्योदय	: 06:09:55 घंटे
सूर्यास्त	: 17:42:13 घंटे
दिनमान	: 11:32:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 28:19:27 कन्या
लग्न के अंश	: 16:44:33 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	: **कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	: **शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	: राहु
योग	: वृद्धि
करण	: बव
गण	: राक्षस
योनि	: अश्व
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मेष
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:44:33	318:45:52	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	28:19:27	00:59:28	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			कुंभ	15:33:13	12:35:05	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कर्क	12:18:06	00:32:10	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	नीच राशि
बुध	व	अ	तुला	09:57:52	00:51:41	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			तुला	24:15:33	00:12:31	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र	व		तुला	24:06:05	00:05:56	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	12:24:28	00:02:26	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	21:10:59	00:03:46	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	21:10:59	00:03:46	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	28:40:49	00:00:42	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप			धनु	26:50:01	00:00:26	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	02:49:11	00:02:04	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मीन	05:01:31	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:15

लग्न-चलित

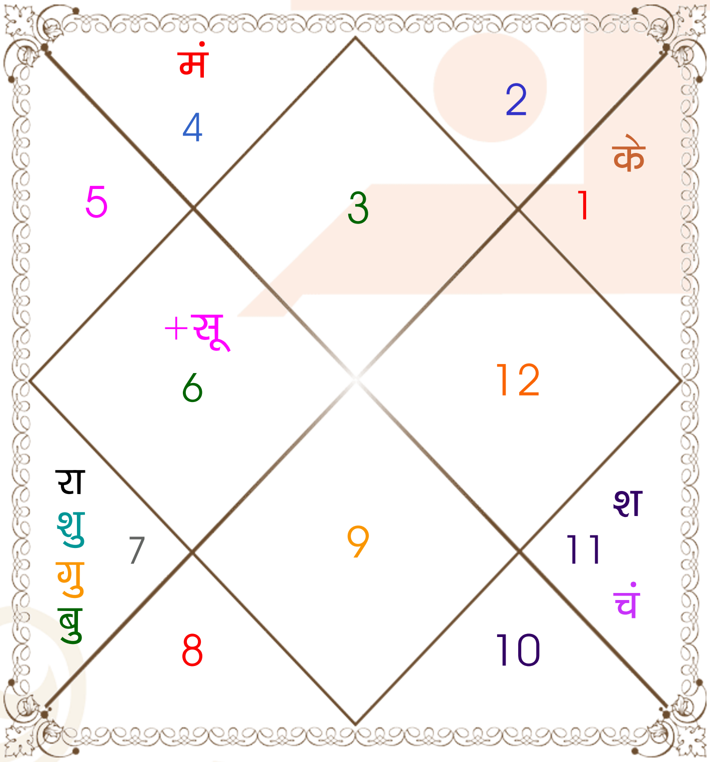

चन्द्र कुंडली

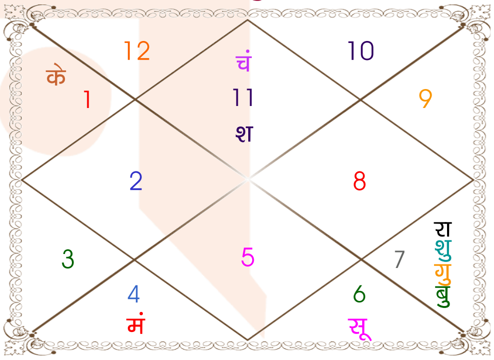

नवमांश कुंडली

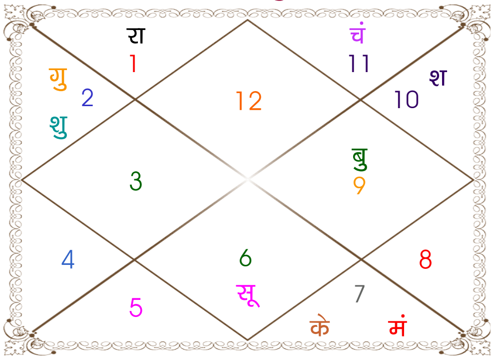

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 6 वर्ष 0 मास 0 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/10/1994		16/10/2000		16/10/2016		17/10/2035		16/10/2052	
16/10/2000		16/10/2016		17/10/2035		16/10/2052		17/10/2059	
	00/00/0000	गुरु	04/12/2002	शनि	20/10/2019	बुध	14/03/2038	केतु	14/03/2053
	00/00/0000	शनि	16/06/2005	बुध	29/06/2022	केतु	11/03/2039	शुक्र	14/05/2054
	00/00/0000	बुध	22/09/2007	केतु	08/08/2023	शुक्र	09/01/2042	सूर्य	19/09/2054
	00/00/0000	केतु	28/08/2008	शुक्र	07/10/2026	सूर्य	16/11/2042	चंद्र	20/04/2055
	15/10/1994	शुक्र	29/04/2011	सूर्य	19/09/2027	चंद्र	16/04/2044	मंगल	16/09/2055
शुक्र	05/05/1997	सूर्य	15/02/2012	चंद्र	20/04/2029	मंगल	13/04/2045	राहु	04/10/2056
सूर्य	29/03/1998	चंद्र	16/06/2013	मंगल	29/05/2030	राहु	01/11/2047	गुरु	10/09/2057
चंद्र	28/09/1999	मंगल	23/05/2014	राहु	04/04/2033	गुरु	06/02/2050	शनि	19/10/2058
मंगल	16/10/2000	राहु	16/10/2016	गुरु	17/10/2035	शनि	16/10/2052	बुध	17/10/2059

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/10/2059		17/10/2079		16/10/2085		17/10/2095		17/10/2102	
17/10/2079		16/10/2085		17/10/2095		17/10/2102		00/00/0000	
शुक्र	15/02/2063	सूर्य	03/02/2080	चंद्र	17/08/2086	मंगल	14/03/2096	राहु	30/06/2105
सूर्य	15/02/2064	चंद्र	04/08/2080	मंगल	18/03/2087	राहु	01/04/2097	गुरु	23/11/2107
चंद्र	16/10/2065	मंगल	10/12/2080	राहु	15/09/2088	गुरु	08/03/2098	शनि	29/09/2110
मंगल	16/12/2066	राहु	03/11/2081	गुरु	15/01/2090	शनि	17/04/2099	बुध	18/04/2113
राहु	16/12/2069	गुरु	23/08/2082	शनि	17/08/2091	बुध	14/04/2100	केतु	06/05/2114
गुरु	16/08/2072	शनि	05/08/2083	बुध	15/01/2093	केतु	10/09/2100	शुक्र	16/10/2114
शनि	17/10/2075	बुध	10/06/2084	केतु	16/08/2093	शुक्र	10/11/2101		00/00/0000
बुध	17/08/2078	केतु	16/10/2084	शुक्र	17/04/2095	सूर्य	18/03/2102		00/00/0000
केतु	17/10/2079	शुक्र	16/10/2085	सूर्य	17/10/2095	चंद्र	17/10/2102		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 0 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्देश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशाग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।